<u>कौशलीकरण, पुन: कौशलीकरण और कौशल उन्नयन में प्रशिक्षकों की भूमिका आवश्यक और महत्वपूर्ण है: प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी</u>

+ माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कौशल्याचार्य समादर 2020 के दूसरे संस्करण के दौरान कुशल ईकोसिस्टम का निर्माण करने के उल्लेखनीय प्रयासों के लिए देश के प्रशिक्षकों को संबोधित किया।

+ पांच श्रेणियों- दीर्घ अवधि प्रशिक्षण, अल्प अवधि प्रशिक्षण, जन शिक्षण संस्थान, शिक्षुता और उद्यमशीलता प्रशिक्षण के तहत 92 कौशल प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया।

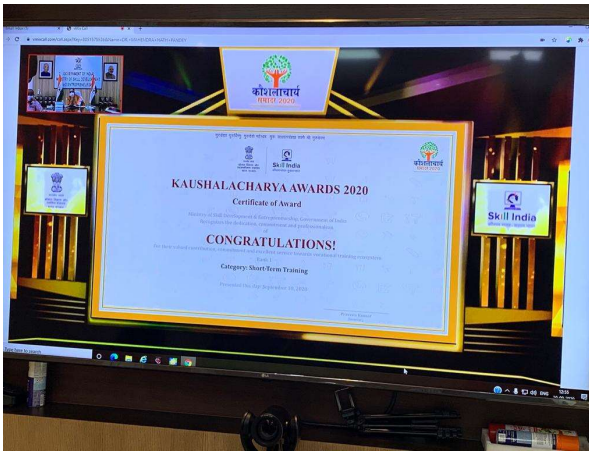

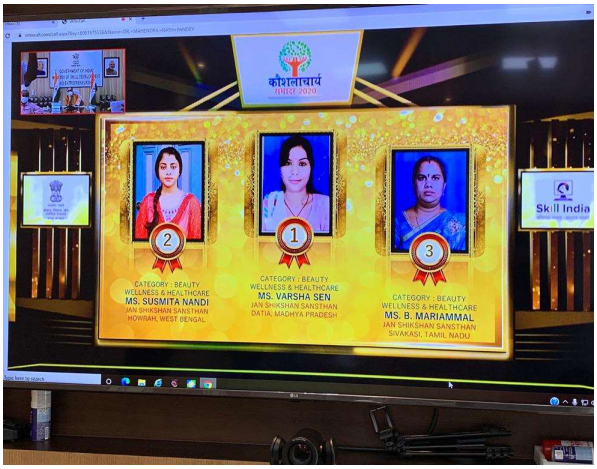

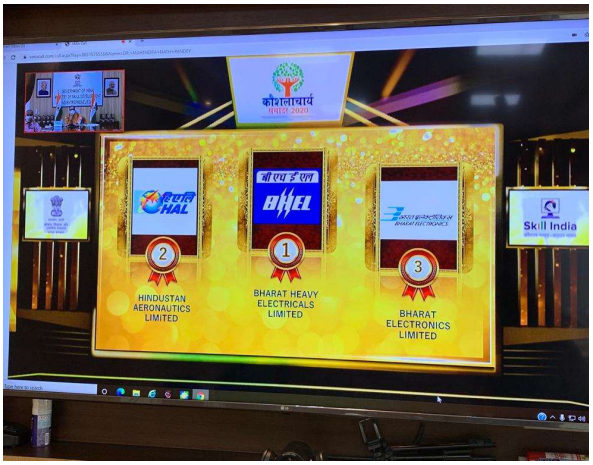

नई दिल्ली, 10 सितंबर, 2020: कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने आज **कौशल्याचार्य समादार 2020** के दूसरे संस्करण के लिए एक डिजिटल कॉन्क्लेव का आयोजन किया। देश के कुशल ईकोसिस्टम के निर्माण और भविष्य के लिए कार्यबल तैयार करने में असाधारण योगदान देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के प्रशिक्षकों को उनके निरंतर परिश्रम की सराहना करते हुए और आज के युवाओं की आकांक्षाओं को उनके उज्ज्वल कल के लिए उपयुक्त कौशल प्रशिक्षण के साथ जीवंत रखने की सराहना करते हुए संबोधित किया गया।

माननीय प्रधान मंत्री ने अपने लिखित संबोधन में, सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मांगों से मेल खाने वाला कार्यबल तैयार करना सरकार का कौशल एजेंडा है और इस दृष्टिकोण के साथ, एक मजबूत कौशल विकास ईकोसिस्टम को सक्षम करने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। संपूर्ण राष्ट्र आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत एक साथ आगे आया है और हर भारतीय के लिए आत्मनिर्भर होना भी समय की आवश्यकता है, क्योंकि हम बदलते समय में जी रहे हैं। कुशल युवाओं की बढ़ती मांग के कई क्षेत्र हैं। यह हमारे युवा कार्यबल के लिए वर्तमान चुनौतियों को अवसरों में बदलने और आत्मनिर्भर भारत के मजबूत स्तंभ बनने का अवसर है। यह अनिवार्य है कि हम कौशलीकरण, पुन:कौशलीकरण और कौशल उन्नयन पर पर्याप्त बल दें। इस प्रयास में, प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों की भूमिका सबसे आवश्यक और महत्वपूर्ण है। माननीय प्रधान मंत्री ने कहा कि, मुझे विश्वास है कि जो प्रशिक्षक आज सम्मानित किए जा रहे हैं, वे अन्य लोगों को भी प्रेरित करेंगे और हमारे युवाओं और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे।

उद्यमशीलता प्रशिक्षण, राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत अल्प अवधि प्रशिक्षण, प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) और औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्रों (आईटीआई) के तहत दीर्घ अवधि प्रशिक्षण जैसी विभिन्न श्रेणियों के भौगोलिक क्षेत्रों में विविध पृष्ठभूमि के कुल 92 प्रशिक्षकों को आज आयोजित डिजिटल कॉन्क्लेव में सम्मानित किया गया।

उद्यमशीलता प्रशिक्षण श्रेणी के तहत, 3 उम्मीदवारों को उद्यमशीलता प्रशिक्षक जॉब रोल में 15 उम्मीदवारों को जेएसएस के तहत परिधान प्रशिक्षण, ब्यूटी वेलनेस और स्वास्थ्य देखभाल प्रशिक्षण, हस्तशिल्प प्रशिक्षण और ऐसे ही अन्य में उनके जॉब रोलों के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा, 14 प्रशिक्षकों को इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर प्रशिक्षण, परिधान प्रशिक्षण, लॉजिस्टिक्स प्रशिक्षण और अन्य में उनके योगदान के लिए अल्प अवधि प्रशिक्षण के तहत सम्मानित किया गया। 44 उम्मीदवारों को दीर्घ अवधि प्रशिक्षण के तहत सम्मानित किया गया और 15 कॉरपोरेट्स को राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) के लिए उनके योगदान के लिए पहचान मिली और उन्हें सम्मानित किया गया।

डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, *ने कहा कि "हम अपने उत्कृष्ट प्रशिक्षकों की प्रशंसा करने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हैं। हमारी संस्कृति में 'गुरु' या शिक्षक को दिया गया महत्व छात्रों के जीवन को बनाने में उनकी अभिन्न भूमिका को दर्शाता है। इसी तरह, कौशल प्रशिक्षक कुशल ईकोसिस्टम को तेज करने और हमारे युवाओं के भविष्य को सही दिशा में ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जैसे-जैसे समय बदल रहा है, प्रशिक्षकों और आकलनकर्ताओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है क्योंकि वे निकट भविष्य में उद्योग की मांगों को पूरा करने में हमारे युवा सृजन के लिए रूपरेखा तैयार करते हैं। मैं सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देना चाहता हूं और विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी कुशल कार्यबल तैयार करने के प्रति उनके समर्पण के लिए हमें अपने प्रशिक्षकों पर बहुत गर्व है, जिससे हमें पिछले पांच वर्षों में लक्ष्य हासिल करने में मदद मिली है। मुझे विश्वास है कि हम उत्कृष्टता की खोज को*

जारी रखेंगे और कौशलीकरण, कौशल उन्नयन और पुन:कौशलीकरण के साथ आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने के करीब पहुंचेंगे।"

कौशल मंत्रालय का 'कौशलाचार्य समादर', एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो व्यावसायिक प्रशिक्षण ईकोसिस्टम में कौशल प्रशिक्षकों द्वारा किए गए योगदान को मान्यता प्रदान करता है और पहचानता है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि भारत को 2022 तक कौशलीकरण इकोसिस्टम में लगभग **2.5** लाख प्रशिक्षकों की आवश्यकता होगी। अपने प्रमुख कार्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत, एमएसडीई प्रशिक्षकों के लिए कौशल के उच्च मानकों और उनकी क्षमता निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रहा है, ताकि वे निकट भविष्य की मांगों को पूरा कर सकें।

वर्तमान महामारी के दौरान, इन प्रशिक्षकों की मदद से आईटीआई और जेएसएस संस्थानों ने अपने शोध और नवाचार के माध्यम से कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईटीआई, बरहामपुर ने यूवीसी सैनिटाइज़र और आईटीआई, कटक ने एक स्वचालित सैनिटाइज़र डिस्पेंसिंग मशीन विकसित की। इसके अलावा, जेएसएस और अन्य संस्थानों ने समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए एक विशेष प्रकार के रोबोट, स्वचालित सैनिटाइज़र मशीन पीपीई किट आदि विकसित किए हैं।

डीजीटी ने, शिल्प प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के अलावा, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए ईकोसिस्टम में विभिन्न उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग किया है। आईबीएम इंडिया 7 एनएसटीआई स्थानों में आधारभूत कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल कार्यक्रम संबंधी प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिसमें 900 आईटीआई के प्रशिक्षकों को सितंबर 2019 से मार्च, 2020 तक 4167 से अधिक आईटीआई प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। 26 एनएसटीआई के लिए एक मास्टर प्रशिक्षक को प्रशिक्षित किया गया है और 2024 तक आईटीआई और एनएसटीआई के 10,000 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। डेटा साइंसेज पर प्रशिक्षण के लिए, एसएपी के साथ मिलकर एनएसटीआई/आईटीआई के प्रशिक्षकों को डेटा साइंसेज पर प्रशिक्षित किया जाएगा और प्रशिक्षक, युवाओं को आधारभूत प्रशिक्षण देंगे। मास्टर प्रशिक्षकों को 5 एनएसटीआई में प्रशिक्षित किया गया है और अब तक 1500 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अलावा, सिस्को, एक्सेंचर और क्वेस्ट एलायंस ने एनएसटीआई प्रशिक्षकों के लिए सूचना प्रोद्योगिकी अनिवार्यताओं में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन किया। नेस्कोम के सहयोग से, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) के माध्यम से क्षमता निर्माण को प्रमाणित मास्टर प्रशिक्षक द्वारा डोमेन क्षेत्र में अनुकूलित प्रशिक्षण के साथ अंतिम रूप दिया जा रहा है। एडोब स्पार्क के तहत 7000 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। राष्ट्रीय कौशल अर्हता ढांचा (एनएसक्यूएफ़) के तहत 13462 आईटीआई अनुदेशकों को स्तर I, II और III में एनएसक्यूएफ़ के अनुरूप अल्प अवधि प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया गया। राष्ट्रीय उद्यमशीलता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) सक्रिय रूप से प्रशिक्षकों के लिए उद्यमशीलता कौशल प्रदान करने में संलग्न है।

आजकल उद्यमशीलता व्यावसायिक प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग है, तदनुसार डीजीटी एनएसटीआई, सरकारी और निजी आईटीआई के प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए उन्हें नोएडा और देहरादून केंद्रों के प्रमुख संस्थान में अपने प्रशिक्षण के साथ उचित उद्यमशीलता कौशल से सज्जित

करने में कामयाब रहा है। कुल 648 प्रशिक्षकों को उद्यमशीलता कौशल के साथ प्रशिक्षित किया गया है। ये प्रशिक्षण संरचनाएं आईटीआई और एनएसटीआई के प्रशिक्षार्थियों को उद्यमशीलता प्रदान करेंगी।

टेमासेक फाउंडेशन और सिंगापुर पॉलिटेक्निक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर कॉरपोरेट्स और विश्वविद्यालयों ने प्रशिक्षकों और आकलनकर्ताओं के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में मदद की है। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) का एक सुस्थापित नेटवर्क है, जो दीर्घ अवधि और अल्प अवधि कौशल प्रशिक्षण ईकोसिस्टम के बीच अधिक अभिसरण प्राप्त करने के लिए अपनी क्षमता और बुनियादी ढांचे का उपयोग करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नए ढांचे के तहत, शिक्षा प्रणाली में शिक्षक मूलभूत सुधारों के केंद्र में है। कौशलीकरण एजेंडा में प्रशिक्षण प्रदाताओं को सफलतापूर्वक संलग्न करने के लिए, कुशल भारत की गति को जारी रखने के लिए कौशल विकास में प्रशिक्षकों और आकलनकर्ताओं को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न कॉरपोरेट्स के साथ सहयोग किया है।

<u>कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के बारे में</u>

कुशल व्यक्तियों की नियोजनीयता में वृद्धि करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, भारत सरकार द्वारा 09 नवंबर, 2014 को एमएसडीई का गठन किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से ही, एमएसडीई ने नीति, ढांचा और मानक तयार करने; नए कार्यक्रम और योजनाएं प्रारम्भ करने; नए बुनियादी ढांचे का निर्माण और मौजूदा संस्थानों का उन्नयन; राज्यों के साथ भागीदारी; उद्योगों के साथ संबद्धता और कौशलों के लिए सामाजिक स्वीकृति और आकांक्षाओं का निर्माण करने के लिए उन्हें औपचारिक बनाने के संदर्भ में महत्वपूर्ण पहल और सुधार किए हैं। मंत्रालय का लक्ष्य, न केवल मौजूदा रोजगारों के लिए, बल्कि सृजित किए जाने वाले रोजगारों के लिए भी नए कौशल और नवाचार सृजित करने के लिए कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को समाप्त करना है। अब तक, कुशल भारत के तहत तीन करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 2016-2020 के तहत मंत्रालय ने अब तक 92 लाख से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है।

कौशल विकास के बारे में अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें

फेसबुक: www.facebook.com/SkillIndiaOfficial;

ट्विटर: @MSDESkillIndia;

YouTube: https://www.youtube.com/channel/UCzNfVNX5yLEUhIRNZJKniHg